

कितना है हमारी पृथ्वी का वजन...



पृथ्वी के वजन को लेकर वैज्ञानिकों के बीच असहमति है। क्योंकि कोई भी फॉर्मूला इसका सटीक वजन पता नहीं कर पा रहा है। (सभी फोटो: गेटी) पृथ्वी के वजन को लेकर वैज्ञानिकों के बीच असहमति है। क्योंकि कोई भी फॉर्मूला इसका सटीक वजन पता नहीं कर पा रहा है। हमारी धरती पर पत्थर हैं। धातु हैं। लाखों प्रजातियों के जीव-जंतु हैं। इसके अलावा अनगिनत प्राकृतिक और इंसानों द्वारा निर्मित ढाँचे हैं। इमारतें हैं। बिज हैं। सड़कें हैं। हर साल इनकी

संख्या बढ़ रही है। ऐसे में हमारी धरती का कुल वजन कितना होता है। इसका कोई एक जवाब नहीं है। असल में धरती का वजन उसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति की ताकत पर निर्भर करता है। यानी इसका वजन लाखों करोड़ किलोग्राम होगा। अगर नासा की माने तो धरती का वजन 5.972231024 किलोग्राम है। इसे 13.1 सेटिलियन पाउंड में भी नापते हैं। धरती का वजन थोड़ा कम-ज्यादा होता रहता है। धरती के वजन में अंतर आने की वजह अंतरिक्ष से

70 साल बाद धरती की तरफ आ रहा है 'हा शैतान', कब पहुंचेगा पृथ्वी के नजदीक ?

है। इसमें से बार्फ़ के ज्यालामुखी फूट रहे हैं। इसे शैतान इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि इसका कोमा लगातार अपना आकार बदल रहा है। इससे पहले इसके सिर पर सींग निकली हुई थी। इसलिए इसे हारा शैतान धूमकेतु बुलाया जा रहा था। लेकिन अब सींग गायब हो चुकी है। कोमा का आकार फिर से बदल चुका है। लेकिन विस्फोट लगातार हो रहा है।

जैसे-जैसे 12पी धूमकेतु सूरज के नजदीक तो जा रहा है। उसका हात रंग ज्यादा चमकदार होता जा रहा है। क्योंकि इसके अंदर डाईकार्बन है। यानी दो कार्बन एटम एकदूसरे से चिपके हुए हैं। यह धूमकेतु लगातार अपना आकार बढ़ाता जा रहा है। यानी इसकी पूछ लंबी होती जा रही है।

9 मार्च 2024 को एस्ट्रोफोटोग्राफ़ जान एरिक वालेस्टड ने इसकी नई तस्वीरें लीं। जो आप हासं पर देख रहे हैं। तस्वीरें यूरोप के उत्तरी देश नॉर्वे से ली गई थीं। इसके लिए उन्होंने खास तरह के कैमरे और सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया। ताकि वो कोमा की स्टडी कर सकें। तभी उन्हें युमावदार यानी स्पाइरल कोमा दिखाई दिया। फिलहाल यह धूमकेतु हमारे सार मंडल के अंदरूनी हिस्से में 64,500 किलोमीटर परिधियां की रफतार से सूरज की ओर जा रहा है। 24 अप्रैल 2024 को यह सूरज के सबसे नजदीक रहेगा। यह ह्या शैतान धूमकेतु धरती के सबसे नजदीक 2 जून 2024 को आएगा। तब यह नंगी आरों से खले आसमान में देखा जा सकेगा।

“**କୁଳାଳିରେ ପାଇଲା କିମ୍ବା କିମ୍ବା**”

ਚੰਦ ਯਾਹਿ ਔਰ ਆਪਕਾ ਵਾਨਿਜ

वैज्ञानिकों के बीच है विवाद

सैकड़ों सालों से धरती का वजन पता किया जा रहा है। आज भी वैज्ञानिकों ने सटीक आंकड़ा नहीं निकाला। लेकिन हमारे खूबसूरत नीले ग्रह का वजन कितना है। वर्णोंकि इस पर बहुत सारी प्राकृतिक वस्तुएं हैं। सबका अपना वजन है। ऐसे में धरती का कुल

आने वाली धूल और वायुमंडल से बाहर
निकलने वाली कई प्रकार की गैस हैं।
लेकिन इनसे हमारे ग्रह के वजन पर
अरबों सालों तक बहुत अंतर नहीं आएगा
दुनियाभर के भूवैज्ञानिक आज भी धरती
के वजन को लेकर एकमत नहीं है।
वर्याँकि कोई भी कुल वजन का सटीक
आंकड़ा नहीं दे पाया।
वैज्ञानिकों के बीच वजन को लेकर
विवाद

वैज्ञानिकों के बीच वजन को लेकर दशमलव के अंक तक बहस छिड़ी रहती है। सटीक वजन निकाल ही नहीं सकते। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैडिस्ट एंड टेक्नोलॉजी के मेट्रोलॉजिस्ट स्टीफन श्लैमिंगर कहते हैं कि इसमें आइजैक न्यूटन का लाँ ऑफ यूनिवर्सल ग्रैविटेशन लगता है। यानी यह मौजूद जिस भी चीज का वजन है, उसकी अपनी गुरुत्वाकर्षण शक्ति है। इसके अलावा दो

अलग-अलग वस्तुओं के बीच भी यह ताकत मौजूद होती है। इसी फॉर्मूले से दो वस्तुओं के बीच गुरुत्वाकर्षण शक्ति निकाली जाती है। उनका वजन निकाला जाता है। यह निकालने के लिए दोनों वस्तुओं की दूरी और ग्रैविटी की गणना की जाती है। कैरेंडिश फॉर्मूला से निकाला जाता है वजन इस फॉर्मूले के मुताबिक ही वैज्ञानिकों ने धरती के वजन की गणना की। लेकिन समस्या ये है कि ये वजन धरती की सतह से लिया गया है। लेकिन किसी ने भी त्रहृदार्हकी की सती वैल्यू पता नहीं की। 1797 में फिजिसिस्ट हेनरी कैरेंडिश इस काम में बड़ी उपलब्धि हासिल की। इसके अनुसार ही धरती का वजन 13.1 सेटिलियन पाउंड्स हैं। आज भी कैरेंडिश फॉर्मूला पर ही धरती का वजन जापा जाता है। इसके बावजूद वैज्ञानिकों के बीच धरती के सही वजन को लेकर विवाद है। असहमति है। फिर भी जब तक सही वजन नहीं पता चलता, तब तक 5.972231024 किलोग्राम को ही धरती का असली वजन मानते हैं।

**30 वर्षों बाद बन रहा है
3 शुभ योग, इन राशियों
की चमकेगी किस्मत !**



हिंदू पंचांग के मुताबिक नव वर्ष की शुरुआत चैत्र माह के शुक्रल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। लालांकि, अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक 1 जनवरी से नए साल की शुरुआत होती है। ज्योतिष के अनुसार नवा हिंदू वर्ष चैत्र माह की प्रतिपदा तिथि से शुरू होगा, जो इस बार 9 अप्रैल 2024 को है। इस बार नव वर्ष यानी विक्रम संवत् 2081 की शुरुआत बेट्टा खास मानी जा रही है। ऐसा इसलिए वर्योकि 30 वर्षों बाद दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दौरान 1 ग्रा 2 नर्सी बलिक एक साथ 3 शुभ हाथों बन रहे हैं।

ज्योतिष के मुताबिक कई सालों बाद विक्रम संवत 2081 की शुरुआत पर 3 शुभ योग बन रहे हैं। साथ ही साल का पहला रेखती और अश्विनी नक्षत्र भी संरोग का बन रहा है। इस दिन अमृत सिद्धि योग, सिद्धि योग और शश राजयोग का निर्माण हो रहा है। 9 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 32 मिनट से अमृत सिद्धि योग और अश्विनी सिद्धि योग की शुरुआत होगी। इस बार राजा मंगल और मंत्री शनि देव रहेंगे। 3 खावा योग के बनने से कुछ राशि के लोगों की किस्मत चमकने वाली है, आइए उन 3 राशिओं के बारे में जानते हैं जिनका भाग्य चमकने वाला है?

१. नेष राशि
मेष राशि के लोगों को नव वर्ष पर दुर्लभ संयोग बनने से इन प्राप्ति के नए अवसर मिलते हैं। आपके जीवन में कई खुशियों का आगमन होने वाला है। रुक्त काम परे होने के साथ आपके लिए नए अवसर लेकर आने वाले हैं। व्यापारियों को व्यापार में और नौकरीपेश लोगों को नौकरी में सफलता के नए अवसर मिलते हैं। ३ राजयोग बनने से जीवन में आ रही बाधाएं दूर हो जाएंगी।

२. वृषभ राशि
वृषभ राशि के लोगों के लिए आने वाला दिन नए सौनात के साथ रहेगा। करिटर में तरखी के लिए नए अवसर मिलेंगे। कामकाज में आपको धन की प्राप्ति हो सकेगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। लोगों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप तनाव से मुक्ति पा सकेंगे और कार्यों में आपको तरखी मिलेंगी।

3. मकर राशि
मकर राशि के लोगों के लिए हिंदू नववर्ष बहुत शुभ रहेगा। परिवार के सदस्यों के बीच खुशी का माहौल रहेगा। आपके घर में कोई मांगलिक कार्रवाह मैं सकता है। बच्चों के साथ आपका अच्छा समय बितेगा। धन की प्राप्ति होगी और व्यापार में आपको तरछी मिलेंगी।

वैदिक ज्योतिष में चंद्र राशि को ही आपकी राशि माना जाता है। चंद्रमा मन का कारक ग्रह है और इसलिए आपके व्यक्तित्व की जानकारी के लिए आपकी चंद्र राशि की जानकारी हेणा बोट, अहम है जो जाता है। आप कैसे प्रत्येकी चंद्र राशि जान सकते हैं, आइए इस बारे में बतारें से जानते हैं।

सूर्य राशि और चंद्र राशि में अंतर सूर्य हर महीने राशि परिवर्तन करता है। ऐसे में जिस भी महीने में आपको जन्म हुआ है और उस समय सूर्य जिस राशि में है उसे आप अपनी राशि बताने लगते हैं। उदाहरण को हुआ है तो आपकी सूर्य राशि होगी, वहीं १ फरवरी को जन्म हुआ आपकी राशि मकर होगी। लेकिन ज्योतिष के अनुसार आपकी सूर्य आपके जीव में जन्मी बातें पता नहीं तिनी की ओर चंद्र राशि से। इसलिए इच्छाओं के बारे में जानती है, जब राशि आपके मनोभावों और आप व्यक्तित्व की जानकारी देती है। चंद्र राशि को ही वैदिक ज्योतिष में राशि कहा जाता है।

चंद्र राशि के बारे में ऐसे कहने के लिए जिस विवरण को दें-

को हुआ है तो आपकी सूर्य राशि
होगी, वहीं १ फरवरी को जन्म हुआ
आपकी राशि मकर होगी। लेकिन
ज्योतिष के अनुसार आपकी सूर्य
आपके बारे में जनी बातें पता न
जितनी कि चंद्र राशि से। सूर्य राशि
इच्छाओं के बारे में जानकारी है, जब
राशि आपके मनोभावों और आप
व्यक्तित्व की जानकारी देती है।
चंद्र राशि को सी वैदिक ज्योतिष में
राशि कहा जाता है।

चंद्र राशि के बारे में ऐसे कहें—

धुवों पर पिघल रही बर्फ बढ़ा रही है हमारे दिन का समय...



पिपलती बर्फ से सिर्फ समंदर में पानी नहीं बढ़ता, बल्कि पूरे दिन का समय बदल जाता है। इससे पूरे साल का समय भी प्रभावित होता है। एक हैरान करने वाली साइटिफिक स्टडी में इस बात का खुलासा किया गया है। आइए जानते हैं कि कैसे रुक्वों पर पिपलती बर्फ़ हमारे दिन का समय को बदल रही है?

ये हैं एकार्टिक महासागर की जिसमें पिपलती बर्फ़ के बड़े डॉक्स, ऐसे हमारे दिन का समय में बदलती हुई रहते हैं, जो कि एकार्टिक महासागर

लोकेन पिपलती बर्फ़ से दिन का समय बढ़ रहा है, ये हैरान करने वाला है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया के जियोलॉजिस्ट डंकन एगन्यू ने कहा कि ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में लगातार बर्फ़ पिपल रही है। इसकी वजह है ग्लोबल वॉर्मिंग यानी बढ़ता हुआ तापमान। इससे धरती की गति पर अपर पड़ रहा है। जिससे दिन का समय बढ़ रहा है, यह मात्रा बहुत ठीकी है लोकेन एकॉमिक वर्लॉक इसे प्रबल लेता है।

बदलाव ला रहे हैं यह आकांक्ष महसूसग
जिसमें पिघले हुए बर्फ के बड़े टुकड़े, ही हमारे
दिन के समय में बदलाव ला रहे हैं। दुनिया
लगातार गम से रही है, धूमों पर जमा बर्फ तेजी
से पिघल रही है, इससे सिर्फ समंदर का
जलस्तर नहीं बढ़ रहा, बल्कि हमारे दिनभर
का समय भी बदल रहा है। इससे पूरे साल का
समय बदल रहा है। इन सबके पीछे वजह है
पेट्रोल, डीजल, कोयले और अन्य जीवाश्म

पकड़ ला है।
एग्न्यु ने अपनी राह रिपोर्ट नेचर जर्नल में
प्रकाशित कराई है। जिसमें बताया गया है कि
पिघलती हुई बर्फ धरती की एंग्युलर वैलोसिटी
को कम कर रहा है, इसलिए अब नियोटिप
लीप सेकेंड की जरूरत है, या फिर एक सेकेंड
छोड़कर दूसरे सेकेंड को जोड़ने की।
वैज्ञानिकों को अब यह तीन साल बाद करना
होगा, जबकि यह इससे पहले केना चाहिए था।

ईंधन का भरपूर इस्तेमाल। दिन भर का समय कुछ सेकेंड्स में बदले तो इसानों को पाता नहीं चलता, लेकिन इनकी गणना करने वाली दुनिया भर की बेट्टी सटीक 450 एंटॉमिक पढ़ायीं को पड़ता है, ये घड़ियां पूरी दुनिया में समय को संतुलित करने के लिए बनाई गई हैं, जिसे कॉर्डिनेट युनिवर्सल टाइम (एक) कह गया है। जिसे पहली बार 1969 में परिभाषित किया गया था, धरती पर समय की गणना का पारंपरिक तरीका है पृथ्वी के रोटेशन यानी युग्माव पर नजर रखना। लेकिन धरती के युग्माव में भी अंतर आता है, इसलिए 1972 से सभी समय जानने के लिए एआईकारिक टाइम स्टैंडर्ड में 27 लीप सेकेंड्स जोड़े रखा पर्याप्त किया गया

रेपी पहुंचा है तो उसका बदला करना चाहिए। यह वैदिक धर्म से राशि से चलती है। आपकी चंद्रमा अपनी राशि बदल देता है। आगर आप अपनी चंद्र राशि पता करना चाहते हैं तो अपनी जन्म कुण्डली में चंद्रमा की स्थिति को देखें। जहाँ चंद्रमा विजामान है उस खाने में जो भी नंबर लिया है उस नंबर वाली राशि ही आपकी चंद्र राशि होगी। उदाहरण के लिए, चंद्रमा जहाँ बैठा है वहाँ ५ लिया है तो आपकी चंद्र राशि कर्क होगी, यर्णोऽक्त यज्ञोत्तिष्ठ मैं चौथी राशि कर्क है। इनी तरह आप कुण्डली में देखकर जान सकते हैं कि आपका चंद्र राशि क्या होगी।

चंद्रमा मन का कारक ग्रह है इसलिए
अपनी या किसी और की चंद्र राशि
जानकर आप व्यक्तिगत के बारे में बहुत
कुछ बता सकते हों। आपका करना बस
इतना है कि अपनी चंद्र राशि जान लें और
फिर देखें कि उस राशि के लोगों की
खबिटों और रास्मियों का हैं चंद्र राशि से
आपके स्वभाव, आपके काम करने के
तरीके, शौक आदि की जानकारी मिल
जाती है। इसके साथ ये चंद्र राशि ये भी बता
देंगी हैं कि आपमें कितनी एनर्जी है,
किञ्चित्क्षेत्रों में आप सफल हो सकते हैं और

